## एलोवेरा फार्मिंग, प्लांटेशन और मार्कटिंग:-

एलोवेरा (घृतकुमारी या ग्वार पाठा) प्राचीन काल से ही बिमारियों के उपचार के लिए प्रयोग में लाया जाता रहा है, एलोवेरा के गुणों से हम सब भलीभांति परिचित हैं और हम सब ने किसी ना किसी रूप में इसका उपयोग किया है एलोवेरा में अनेकों बिमारियों को उपचारित करने के गुण मौजूद हैं और इसीलिए आयुर्वेदिक जगत में एलोवेरा की मांग बढ़ती ही जा रही है|

एलोवेरा की विभिन्न वेरायटीज हैं पर इनमे मुख्यतया मीठा और कड़वा एलोवेरा के रूप में इनको पहचाना जाता है| कड़वे एलोवेरा में ही मेडिसिनल गुण होते है, इसलिए देश विदेश में इसी की डिमांड है| जो वैरायटी हम आपको सप्लाई करेंगे, इस वैरायटी का मेडिसिनल नाम "बार्बाडेन्सीस मिलर" (Barbadensis miller) ic111269,111271 है|

एलोवेरा की बुबाई के लिए फ़रवरी, मार्च का समय अति उत्तम, अप्रैल नार्मल और बाकी आप इसे साल में कभी भी लगा सकते है| एलोवेरा फार्मिंग के लिए रेतीली दोमट मिटटी बहुत अच्छी रहती है पर आप इसे किसी भी प्रकार की मिटटी में लगा सकते हैं| एलोवेरा की खेतीं को बंजर जमीं में भी किया जा सकता हैं|
एलोवेरा फार्मिंग के लिए बहुत ज्यादा मीठे पानी की जरुरत नहीं हैं पर अगर पानी बहुत कड़वा हैं तो टेस्टिंग जरूर करा लें|

## एलोवेरा कि खेती के लिये खाद और खेत को तैयार कैसे करे:-

एलोवेरा फार्मिंग में केवल आर्गेनिक, जैविक और गोबर का खाद ही इस्तेमाल करें| केमिकल वाला खाद जैसे की यूरिया और डी ए पी इत्यादि बिलकुल इस्तेमाल न करें नहीं तो फसल ख़राब हो सकती है|

खेत की अच्छे से जुताई करें और रोटावेटर का इस्तेमाल करें| खेत में घास बिलकुल नहीं रहनी चाहिए आपको आगे केवल घास और खरपतवार की छटाई करनी हैं|

## एलोवेरा के लिये बेडिंग तैयार करना:-

खेत कि जुताई करने के बाद किसानो को एलोवेरा कि बुआई के लिये मिटटी से बेड तैयार करना है, बेड कि ऊचाई करीब 8-10" होनी चाहिए, और उसके बगल में करीब एक फुट चौड़ी नाली तैयार करनी है जिसके द्वारा पानी लगाया जायेगा| आपको भी एलोवेरा पौध लगाने के लिए बेडिंग इसी प्रकार करनी है|एलोवेरा की उत्तम गुणवत्ता बनाये रखने के लिए केवल उत्तम पौध का इस्तेमाल करें व केमिकल खाद इस्तेमाल न करें| एलोवेरा का 8 से 10 इंच का पौधा बुआई के लिये उत्तम रहता है| एक एकड़ में किसानो भइयो को एलोवेरा कि 12000 पौधे कि रोपाई करनी है| यदि नीलगाय या जंगली सूअर क खतरा हो तो खेत कि फैंसिंग करना ज़रूरी है|बेचने के लिए एलोवेरा के पत्तों का साइज 4" चौड़ा x 1" मोटा x 18" लंबा होना चाहिए| एक पौधे से पत्तियों का भार करीब 4 से 5 kg निकलता है|

## एलोवेरा खेती में बरती जाने वाली सावधानिया:-

एलोवेरा  की फार्मिंग में केवल दो बातों का ध्यान रखें :-
(1) अच्छी पौध लगाएं|
(2) किसी भी प्रकार की केमिकल वाली खाद व कीटनाशक का इस्तेमाल ना करें
(3) कोशिश करें की खेत में ज्यादा दिन तक पानी जमा न रहे नहीं तो एलोवेरा  की जड़ों के गलने का खतरा रहता है|